भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1052

दिनांक 05 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तमिलनाडु में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना

†1052. श्री अ. मनि:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्र सरकार ने विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अन्तर्गत तमिलनाडु राज्य, विशेषकर धर्मपुरी जिले में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान धर्मपुरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों के उन्नयन के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त जिले में निदान और आपातकालीन देखभाल इकाइयों सहित चिकित्सा सुविधाओं के निर्माण/आधुनिकीकरण के लिए किसी नई परियोजना को मंजूरी दी है; और

(घ) जिले में चिकित्सकों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य का विषय होने के कारण, आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्र की योजना बनाने, उन्हें लागू करने, उनका रखरखाव करने और स्थापित करने की प्राथमिक ज़िम्मेदारी राज्य सरकार की है। भारत सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मज़बूत करने और स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार लाने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण और अल्पसेवित क्षेत्रों में, विभिन्न पहल की गई हैं, जिनमें तमिलनाडु के धर्मपुरी ज़िले सहित प्राथमिक, द्वितीयक और विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों में सुधार शामिल है, जो नीचे दिए गए हैं:

(i) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके संसाधन क्षेत्र के अंतर्गत उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, स्वास्थ्य परिचर्या अवसंरचना सहित उनकी स्वास्थ्य परिचर्या प्रणालियों को मजबूत करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। पिछले तीन वर्षों में स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों को मजबूत करने के लिए राज्यवार निधि आवंटन नीचे दिए गए लिंक पर देखा जा सकता है:

https://nhm.gov.in/index1.php?lang=1&level=1&sublinkid=1377&lid=744.

(ii) पीएम-एबीएचआईएम के अंतर्गत, तमिलनाडु राज्य के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 की योजना अवधि के दौरान 708 शहरी-आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम), 38 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला (आईपीएचएल) और 37 क्रिटिकल केयर ब्लॉक (सीसीबी) के निर्माण/सुदृढ़ीकरण का प्रावधान किया गया है, जिसका कुल वित्तीय परिव्यय 1656.32 करोड़ रुपये है।

(iii) तमिलनाडु राज्य के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग (एफसी-XV) के अंतर्गत, वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 तक की पाँच वर्ष की अवधि के लिए 4249.42 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और स्थानीय निकायों को अब तक 4249.42 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं, जिसमें स्वास्थ्य अवसंरचना की स्थापना और सुदृढ़ीकरण के लिए पूंजीगत लागत भी शामिल है।

(iv) ईसीआरपी-II के अंतर्गत, बाल चिकित्सा देखभाल इकाइयों, बाल चिकित्सा उत्कृष्टता केंद्र, प्रीफैब इकाइयों के प्रावधान द्वारा अतिरिक्त बिस्तरों की वृद्धि, सार्वजनिक स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों में आईसीयू बिस्तरों की वृद्धि, 50 और 100 बिस्तरों वाले फील्ड अस्पतालों, रेफरल परिवहन और चिकित्सा गैस पाइपलाइन प्रणाली के साथ तरल चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। तमिलनाडु राज्य को वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 798.94 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जिनका पूर्ण उपयोग किया जा चुका है।

(ख): तमिलनाडु राज्य सरकार की सूचना के अनुसार, 2021-22 से, धर्मपुरी जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), उप जिला अस्पतालों, जिला अस्पतालों और सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के उन्नयन के लिए कुल 57.85 करोड़ रुपये का निवेश आवंटित किया गया है।

(ग) : तमिलनाडु राज्य सरकार की सूचना के अनुसार, सरकार ने धर्मपुरी जिले में नैदानिक और आपातकालीन देखभाल सेवाओं सहित चिकित्सा बुनियादी ढांचे के निर्माण और आधुनिकीकरण के लिए कई नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें 20.00 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धर्मपुरी में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक की स्थापना शामिल है। 3.50 करोड़ रुपये प्रत्येक की लागत से सरकारी अस्पताल, पप्पीरेड्डीपट्टी और सरकारी अस्पताल, हरूर में अतिरिक्त इमारतों को भी मंजूरी दी गई है, साथ ही 10.00 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी अस्पताल, पेन्नागरम में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग का निर्माण, और 0.70 करोड़ रुपये की लागत से उसी अस्पताल में एक मुर्दाघर की सुविधा भी स्वीकृत की गई है। नैदानिक क्षमता को मजबूत करने के लिए, 1.00 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी अस्पताल, पेन्नागरम में एक एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला (आईपीएचएल) को मंजूरी दी गई है साथ ही 5.30 करोड़ रुपये

की कुल लागत से ब्लॉक पी एचसी में 10 ब्लॉक-स्तरीय सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों की स्थापना की मंजूरी दी गई। इसके अलावा 30 भवनों के निर्माण और उन्नयन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत किया गया है, जिनमें 24 स्वास्थ्य उप-केंद्र, 4 ग्रामीण पीएचसी, 1 शहरी स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र और 1 शहरी पीएचसी शामिल हैं। इस पर कुल 13.85 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

(घ) : राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन-तमिलनाडु (एनएचएम -टीएन) ज़िलेवार स्टाफिंग पदों पर निरन्तर निगरानी रखता है और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता वाले कमियों की पहचान करता है। परीक्षाओं का शीघ्र संचालन, परिणामों का समय पर प्रकाशन और योग्य कर्मियों की शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा सेवा भर्ती बोर्ड (एमआरबी) के साथ गहन समन्वय से भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा रही है। ज़िला स्वास्थ्य समिति ज़िला और उप-ज़िला स्तर पर, विशेष रूप से संविदा और एनएचएम-समर्थित पदों पर रिक्तियों को भरने में भी सक्रिय रूप से शामिल है। धर्मपुरी ज़िले में डॉक्टरों, स्टाफ नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की कोई कमी नहीं है।

*****